AGRICULTURE UNIVERSITY, JODHPUR
JODHPUR 342304, Rajasthan, India
कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
जोधपुर 342304, राजस्थान, भारत

Telefax
0291 2570710(O)
0291-2570711
E-mail:
vcunivag@gmail.com

डॉ एम एल मेहरिया
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

दिनांक – 4.12.2017

कृषि शिक्षा दिवस का आयोजन

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में द्वितीय कृषि शिक्षा दिवस मनाया गया। जिसके मुख्य अतिथि डॉ. बलराज सिंह माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर रहे। माननीय कुलपति ने अपने अभिवादन में कहा कि शिक्षा दिवस भारत सरकार के आदेशनुसार सन 2016 से हर वर्ष 3 दिसम्बर को मनया जाता है। इस वर्ष भी इसका आयोजन कृषि अनुसंधान परिषद के DDG के आदेशनुसार 3 दिसम्बर को मनाया जा रहा है। कृषि शिक्षा दिवस हर वर्ष 3 दिसम्बर को भारतीय संध के प्रथम कृषि मंत्री एवं स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी के जन्म दिवस पर आयोजित होता है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों व आमलोगों में कृषि एवं कृषि सम्बन्धित विषयों में रूचि बढाने एवं कृषि व इससे सम्बन्धित कार्यो को लोकप्रिय एवं नौकरी, व्यवसाय, एवं अनुसंधान के रूप में हो सके।

कृषि शिक्षा दिवस मनाकर हमें कृषि का महत्व लोगों को समझा सकते हैं और कृषि में घटती रूचि को बढा सकते हैं, क्योंकि आज भी कृषि से अच्छा कोई कार्य नहीं है।

आज के दौर में जल, जंगल, जमीन का संरक्षित रखते हुए खेती करने की जरूरत है और उन्नत किस्मों का उपयोग कर आधुनिक जरूरत को पूरा करने की आवश्यकता है।

डॉ. सिंह ने कहा कि अगर कृषि में अध्ययनरत छात्र और कार्यरत कर्मचारी यदि यह ठान ले कि हम कृषकों का एवं किसान की कृषि संबंधित समस्याओं को हम कम करने में मदद करेंगे तो किसान की रूचि वापस कृषि में जुडेगी और किसान कृषि कों अपनी तरक्की का जरिया बनायेगा। आज पैदावार भरपूर है लेकिन उसका पोस्ट हारवेस्ट संरक्षण सही नहीं है। पहले उसको ठीक करना होगा और जरूरत के अनुसार खेती कमी होगी।

डॉ. जी आर खैरवा, निदेशक छात्र कल्याण ने कहा कि कृषक की आय का स्त्रोत अगर कम है तो कृषि को आय का स्त्रोत मानने के बजाय इसका अन्य लोगों से रोजगार का साधन बनाया जा सकता है।

क्षेत्रीय अनुसंधान डॉ. सीताराम कुम्हार ने कहा कि कृषि का सही उपयोग करे और क्षेत्र आधारित नए बीजों का उपयोग करे तो खेती बहुत उपयोगी सिद्ध हो सकती है।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलवंत सिंह राजपुरोहित ने कहा की आज का दिन हम सभी के लिए बहुत उपयोगी है, क्योंकि हम सभी कृषि से जुड़े हुए हैं और हम कृषि की आधुनिक तकनीकियों का अपने छात्रों द्वारा उनके परिवार तक पहुँचा सकते हैं और वे अपने पडोसियों को। नई तकनीकियां किसानों तक आसानी से पहुंच सकती है। इसके अलावा सरकार भी अपनी योजनाओं का पूर्ण रूप से किसानों तक पहुंचाने में मदद करे तो खेतीबाड़ी फायदेमंद हो सकती है। कृषि महाविद्यालय के छात्र मुकेश, रामकरण, अनिल ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ बनवारी लाल, सहायक प्राध्यपक, कृषि महाविद्यालय, मंडोर ने की।

(एम एल मेहरिया)